(1)

[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **6497** **I**

Unique Paper Code : 2052101202

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi-DSC-5**

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आधुनिक हिंदी साहित्य के विकास में भारतेंदु का महत्व प्रतिपादित कीजिए। 18

अथवा

हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आन्दोलन में महावीर प्रसाद द्विवेदी की महती भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. हिंदी उपन्यास की विकास-यात्रा का विवेचन कीजिए। 18

अथवा

हिंदी नाटक विधा की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

3. उत्तर छायावादी कविता की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 18

अथवा

नई कविता की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. समकालीन कविता की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 18

अथवा

हिंदी साहित्य में दलित विमर्श के विभिन्न आयामों का परिचय दीजिए।

5. हिन्दीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 9+9=18

(क) नवजागरण एवं भारतेंदु

(ख) संस्मरण

(ग) प्रगतिवाद

(घ) नवगीत

(ङ) स्त्री विमर्श

***

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(2)

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6527**

Unique Paper Code : **2052101203**

Name of the Paper : **Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhaein**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi-DSC**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10=20

(क) यहाँ तक हमने सामान्य रीति पर जातीय उन्नति और अवनीति के नियम कहे। पर खूबी नियमों की किसी एक मुख्य जाति पर लगाने से और उनका पूरा-पूरा असर पर दिखलाने में है। हम समझते हैं कि सबसे उत्तम उदाहरण हमको अपनी ही जाति पर लगाने के अतिरिक्त और कहाँ मिलेगा। बहुत आदिकाल से प्रारंभ कर हम जब से इस जाति को लक्ष्य करते हैं तो उस विभेदक गुण का बीज पाते हैं और उसका नाम मननशीलता ही रखेंगे।

अथवा

मनुष्य की प्रकृति में शील और सात्विकता का आदि संस्थापक यही मनोविकार है। मनुष्य की सज्जनता या दुर्जनता अन्य प्राणियों के साथ उसके संबंध या संसर्ग द्वारा ही व्यक्त होती है।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

यदि कोई मनुष्य जन्म से ही किसी निर्जन स्थान में अपना निर्वाह करे तो उसका कोई कर्म सज्जनता या दुर्जनता की कोटि में न आएगा। उसके सब कर्म निर्लिप्त होंगे। संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दु:ख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है।

(ख) गाँधीजी के असहयोग आंदोलन और चरखा-अभियान से अनेक उदारवादी विचारक चिन्तित हो गये थे। वे भारत और ब्रिटेन का संबंध तोड़ने के पक्ष में न थे। वे ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर भारत को 'डोमीनियन' या अर्द्ध-उपनिवेश बनाने का स्वप्न देख रहे थे। रवीन्द्रनाथ राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के नये उभार का समर्थन न करके पूर्व और पश्चिम को सांस्कृतिक धरातल पर मिलाने का प्रचार कर रहे थे।

अथवा

दिल्ली, लखनऊ, इलाहाबाद से पटना तक के कितने ही रेडियो कवि सम्मेलनों में हम साथ-साथ काव्य पाठ करते रहे थे। मैं उन्हें खूब डूबकर सुनता था, चाहता था : बंद खिड़कियाँ, दरवाजे पर पड़े मोटे रंगीन पर्दे—सब इस ऐसी ताजा हवा के झोंकों से हिलने-झूलने लगे। मेरी कच्ची ललक की मायूसी न हुई। हाँ, यह एहसास बेशक हुआ कि विवेक स्थिरता लाता है। रस की छलकन मशहूर है। अज्ञेय का विरस, शांत लेखन अपनी अलग अहमियत रखता है।

2. 'जातियों का अनूठापन' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 15

अथवा

निबंध के तत्त्वों के आधार पर 'आचरण की सभ्यता' की समीक्षा कीजिए।

3. 'करुणा' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 15

अथवा

'भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

4. 'नये संघर्ष' में चित्रित निराला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'सदाचार का ताबीज' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

5. शास्त्रीजी ने अज्ञेय को एक नये ही रूप में पाठकों के समक्ष रखा है। स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' का प्रतिपाद्य लिखिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5,5

(क) राम विलास शर्मा का साहित्यिक परिचय

(ख) 'आचरण की सभ्यता' की भाषा-शैली।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(3)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6012 **J**

Unique Paper Code : 2052102401

Name of the Paper : Bhartiya Kavyashastra

Name of the Course : **B.A. (H) – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अथवा

आचार्य कुंतक का योगदान बताते हुए वक्रोक्ति संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (15)

2. 'काव्य हेतु' से क्या तात्पर्य है? भारतीय आचार्यों द्वारा प्रस्तुत काव्य हेतुओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

'काव्य-लक्षण' का स्वरूप बताते हुए संस्कृत आचार्यो द्वारा निर्दिष्ट काव्य-लक्षणों पर प्रकाश डालिए। (15)

3. रस के भेद बताते हुए शृंगार रस का विवेचन कीजिये।

अथवा

साधारणीकरण का आशय स्पष्ट करते हए विभिन्न आचार्यो के मतों का विवेचन कीजिए। (15)

4. अलंकार किसे कहते हैं? शब्दालंकारों और अर्थलंकारों में भेद बताते हुए एक शब्दालंकार और एक अर्थालंकार का लक्षण उदाहरण सहित बताइए।

अथवा

शब्द शक्ति किसे कहते है? व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का उदाहरण सहित निरूपण कीजिए। (15)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए: (10×3=30)

(i) काव्य प्रयोजन

(ii) आचार्य विश्वनाथ

(iii) सवैया एवं घनाक्षरी छंद

(iv) उत्पत्तिवाद

(v) वीर रस

(vi) यमक एवं श्लेष अलंकार

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(4)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6074 **J**

Unique Paper Code : 2052102402

Name of the Paper : Aadhunik Hindi Kavita (Chhayawad Tak)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) सुंदर बानी कहि समुझावै।
बिधवागन सों नेह बढ़ावै ।।
दयानिधान परम गुन - आगर।
सखि सज्जन नहिं 'विद्यासागर' ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

अथवा

सबसे प्रथम कर्त्तव्य है शिक्षा बढ़ाना देश में,

शिक्षा बिना ही पड़ रहे हैं आज हम सब क्लेश में।

शिक्षा बिना कोई कभी बनता नहीं सत्पात्र है,

शिक्षा बिना कल्याण की आशा दुराशा मात्र है ।।

(ख) कैसी मधुर मनोहर उज्जवल है यह प्रेम-कहानी।

जी में है अक्षर बन इसके बनूँ विश्व की बानी।

स्थिर, पवित्र, आनंद-प्रवाहित, सदा शांति सुखकर है।

अहा! प्रेम का राज्य परम सुन्दर, अतिशय सुंदर है ।।

अथवा

तम-नयनों की ताराएँ सब -

मुंद रही किरण दल में हैं अब,

चल रहा सुखद यह मलय बात!

अब जागो जीवन के प्रभात!

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ग) आम की यह डाल जो सूखी दिखी,

कह रही है – "अब यहाँ पिक या शिखी

नहीं आते, पंक्ति में वह हूँ लिखी

नहीं जिसका अर्थ – जीवन दह गया है।"

अथवा

कह दे अतीत अब मौन त्याग,

लंके, तुझमे क्यों लगी आग ?

ऐ कुरुक्षेत्र! अब जाग, जाग,

बतला अपने अनुभव अनंत,

वीरों का कैसा हो वसंत ?

2. 'नये जमाने की मुकरी' का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'भारत–भारती' के (भविष्यत् खंड) में निहित जीवन–दृष्टि का परिचय दीजिए।

3. 'पथिक' कविता में व्याप्त प्रकृति–सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। (15)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा

'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता का मुख्य अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

4. 'भिक्षुक' कविता के भाव-पक्ष पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

'भारत माता ग्राम वासिनी' कविता के आधार पर पंत की काव्य-चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'पूछता क्यों शेष कितनी रात?' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

J

Sr. No. of Question Paper : 6130

Unique Paper Code : 2052102403

Name of the Paper : हिंदी उपन्यास

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi / (DSC)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिन्दी उपन्यास के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डालिये। (15)

अथवा

हिंदी उपन्यास की प्रमुख प्रवृतियों का विश्लेषण कीजिये।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. श्री निवास दास अथवा प्रेमचंद का साहित्यिक योगदान लिखिये। (15)

3. 'कर्मभूमि' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिये। (15)

अथवा

"कर्मभूमि उपन्यास स्वतंत्रता आंदोलन का दस्तावेज है", इस कथन के आलोक में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

4. 'रागदरबारी' उपन्यास में चित्रित सामाजिक यथार्थ को स्पष्ट कीजिये। (15)

अथवा

'रागदरबारी' उपन्यास के शीर्षक की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए वैद्य जी के चरित्र पर प्रकाश डालिये।

5. निम्नलिखित में किन्हीं **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (12)

(क) इस इलाके के ज़मींदार एक महन्तजी थे। कारकून और मुख़्तार उन्हीं के चेले-चापड़ थे। इसलिए लगान बराबर वसूल होता जाता था। ठाकुरद्वारे में कोई-न-कोई उत्सव होता ही रहता था। कभी ठाकुरजी का जन्म है, कभी ब्याह है, कभी यज्ञोपवीत है, कभी झूला है, कभी जल-विहार है। असामियों को इन अवसरों पर बेगार देनी पड़ती थी; भेंट - न्योछावर पूजा-चढ़ावा आदि नामों

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

से दस्तूरी चुकानी पड़ती थी; लेकिन धर्म के मुआमले में कौन मुँह खोलता? धर्म-संकट सबसे बड़ा संकट है। फिर इलाक़े के काश्तकार सभी नीच जातियों के लोग थे। गाँव पीछे दो-चार घर ब्राह्मण-क्षत्रियों के थे भी, तो उनकी सहानुभूति असामियों की ओर न होकर महन्तजी की ओर थी। किसी-न-किसी रूप में वे सभी महन्तजी के सेवक थे। असामियों को उन्हें प्रसन्न रखना पड़ता था। बेचारे एक तो गरीब, ऋण के बोझ से दबे हुए, दूसरे मूर्ख, न क़ायदा जानें न क़ानून; महन्तजी जितना चाहें इजाफ़ा करें, जब चाहें बेदखल करें, किसी में बोलने का साहस न था।

अथवा

(ख) शहर के एक कोने में ऊँची चहारदीवारी से घिरा हुआ एक लम्बा-चौड़ा बैंगला था, जिसकी बनावट से ही लगता था कि वह किसी ताल्लुक़ेदार को किराये पर रहने के लिए उठा दिया था।

बँगले के एक कोनेवाले कमरे में जिला विद्यालय-निरीक्षक का दफ्तर था, उसे छोड़कर बाकी बँगले में उनका निवास स्थान था। उनके रहने के पूरे हिस्से का किराया सरकार-उसे दफ्तर समझकर देती थी। दफ्तर का पूरा किराया जिला विद्यालय निरीक्षक अपने मकान के नाम पर देते थे। इस तरह के मैत्रीपूर्ण समझौते को अंग्रेजी में 'ऑफिस-कम-रेजीडेन्स' कहा जाता है। हिन्दी में उसे 'ऑफिस-कम-रेजीडेन्स ज्यादा' कहते हैं।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

6. निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिये : (9×2=18)

(क) प्रेमचंदयुगीन उपन्यास

(ख) धर्मवीर भारतीय का योगदान

(ग) कर्मभूमि उपन्यास के आधार पर सुखदा का चरित्र-चित्रण

(घ) चित्रा-मुद्गल

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(6)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6043 **J**

Unique Paper Code : 2052103601

Name of the Paper : Hindi Bhasha : Swaroop, Sanrachna Evam Itihas

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI – DSC

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भारोपीय भाषा परिवार से आप क्या समझते हैं? हिन्दी किस प्रकार भारोपीय भाषा परिवार से संबंधित है? विवेचना कीजिए । (15)

अथवा

हिंदी भाषा की विकास यात्रा को रेखांकित कीजिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. भौगोलिक क्षेत्र विस्तार की दृष्टि से हिंदी भाषा एवं इसकी विविध बोलियों का परिचय दीजिए । (15)

अथवा

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा के स्वरूप पर लेख लिखिए।

3. राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा से आप क्या समझते हैं? राजभाषा के रूप में हिंदी के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

हिंदी भाषा का किस प्रकार ज्ञान-विज्ञान के माध्यम के रूप में प्रयोग हो रहा है? सविस्तार समझाइए।

4. सिनेमा की भाषा में किस प्रकार शीघ्रता से रूप परिवर्तन दिखाई पड़ रहे हैं? तर्कसंगत विवेचना कीजिए। (15)

अथवा

सोशल मीडिया की भाषा का स्वरूप बताते हुए उसकी विशेषताएं लिखिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (10×3=30)

(i) मध्यकालीन आर्यभाषा

(ii) राजस्थानी हिंदी की बोलियां

(iii) संपर्क भाषा

(iv) प्रिंट मीडिया की भाषा

(v) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषा

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **6464** **I**

Unique Paper Code : 2052101201

Name of the Paper : हिंदी कविता : सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य

Name of the Course : **बी० ए० (विशेष) हिंदी** – DSC

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 3×9=27

(क) बन बाग उपबन बाटिका सर कूप बापीं सोहहीं।
नर नाग सुर गंधर्व कन्या रूप मुनि मन मोहहीं।।
कहुँ माल देह बिसाल सैल समान अतिबल गर्जहीं।
नाना अखारेन्ह भिरहिं बहुबिधि एक एकन्ह तर्जहीं।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा

कौन हो कित कूं चले कित जात हो केहि काम जू ?
कौन की दुहिता बहू कहि कौन की यह बाम जू।।
एक गाँउ रहो कि साजन मित्र बन्धु बंखानिये।
देश के परदेश के किधौं पंथ की पहिचानिये।।

(ख) गोकुल सबै गोपाल-उदासी।
जोग-अंग साधत जे ऊधो ते सब बसत ईसपुर कासी।
यद्यपि हरि हम तजि अनाथ करि तदपि रहति चरननि रसरासी।
अपनी सीतलताहि न छाँडत यद्यपि है ससि राहु-गरासी।।
का अपराध जोग लिखि पठवत प्रेम भजन तजि करत उदासी।।
सूरदास ऐसी को बिरहिन माँ गति मुक्ति तजे गुनरासी ?

अथवा

घाम घरीक निवारियै, कलित ललित अलि-पुंज।
जमुना-तीर तमाल-तरु-मिलित मालती-कुंज।।
उन हरकी हँसि कै इतै, इन सौंपी मुसकाई।
नैन मिलैं मन मिलि गए, दोउ मिलवति गाइ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ग) पहलें अपनाय सुजान सनेह सौं क्यों फिरि तेह कै तोरियै जू।

निरधार अधार दै धार-मँझार दई गहि बाँह न बोरियै जू।

घनआनँद आपने चातिक कों गुन-बाँधिलैं मोह न छोरियै जू।

रस प्याय कै ज्याय बढ़ाय कै आस बिसास मैं यौं बिष घोरियै जू।।

अथवा

इंद्र जिमि जंभ पर बाडव सु अंभ पर,

रावन सदंभ पर रघुकुल राज है।

पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर,

ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।

दावा द्रुम-दंड पर चीता मृग-झुंड पर,

भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज है।

तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर,

यौं म्लेच्छ बंस पर सेर सिवराज है।।

2. सुन्दरकाण्ड के आधार पर हनुमान के बुद्धि कौशल को समझाइए। 15

अथवा

हिंदी रीतिकाव्य के विकास में आचार्य केशवदास की भूमिका पर विचार कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. भ्रमरगीत के आधार पर सूरदास के विरह काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

पदों के आधार पर बिहारी के काव्य की समीक्षा कीजिए।

4. रीतिमुक्त काव्य में घनानंद का स्थान निर्धारित कीजिए। 15

अथवा

वीररस के कवि के रूप में भूषण का विवेचन कीजिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : 2×9=18

(i) सुन्दरकाण्ड में सीता की मनोदशा

(ii) सूरदास की भाव तरलता

(iii) केशवदास का आचार्यत्व

(iv) बिहारी का शब्द चयन

(v) घनानंद का विरह

(vi) भूषण का ओज काव्य

***

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(8)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6102 **J**

Unique Paper Code : 2052103602

Name of the Paper : अस्मितामूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)

Name of the Course : **DSC : Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. स्त्री विमर्श को परिभाषित करते हुए उदारवादी और मार्क्सवादी अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

आदिवासी विमर्श के विभिन्न पक्षों को स्पष्ट कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. 'यही सच है' कहानी स्त्री के प्रेम और द्वन्द्व की कथा है - स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'पच्चीस चौंका डेढ़ सौ' कहानी समता तथा मुक्ति के लिए संघर्षरत दलित चेतना की कहानी है - समीक्षा कीजिए।

3. 'सोनवा का पिंजरा' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'कहाँ हो तुम माया' कविता में निहित आदिवासी स्त्री की समस्याओं और संघर्षों को उजागर कीजिए।

4. स्त्री की पराधीन स्थिति के लिए महादेवी वर्मा किन कारकों को जिम्मेदार मानती है - विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए। (15)

अथवा

'जंगल से आगे' आत्म संस्मरण में निहित आदिवासी स्त्री के अस्तित्व और संघर्ष की गाथा को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित आंशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (8×3)

(क) बालमन की यह खरोंच ग्रन्थि बन गयी थी। जब भी पच्चीस की संख्या पढ़ता या लिखता, उसे पच्चीस चौंका डेढ़ सौ ही याद आता। साथ ही याद आता पिताजी का विश्वास भरा चेहरा और मास्टर शिवनारायाण मिश्रा का गाली-गलौच करता लाल-लाल

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

गुस्सैल चेहरा। दोनों चेहरे एक साथ स्मृति में दबाए पच्चीस चौका डेढ़ सौ की अंधेरी दुर्गम गलियों में भटकने लगा। जैसे-जैसे बड़ा होने लगा, कई सवाल उसके मन को विचलित करने लगे। जिनके उत्तर उसके पास नहीं थे।

अथवा

ननकु ने सुना तो कहा- "झालो दीदी, जेरकु भाई ठीक कह रहे हैं। दुख भरे गीत बड़े मधुर होते हैं सुनने में। परंतु ज़ेरकु भाई को यह भी जानना चाहिए कि दुख के मधुर गीत गाते रहने से पेट नहीं भरेगा और सचमुच भूखा पेट से कोई दर्द भरा गीत भी कब तक गया सकेगा? जेरकु भाई, भूख मिटनी चाहिए पहले तब गीत, नाच और नगाड़े सुहावने लगेंगे। भूखे पेट नहीं।"

(ख) देशवां आजाद अहै हम तो गुलमवाँ,
हमरे लिए न सरकार।
एस कौनउ जुगुति लगावा भड़या 'मितई'
हमरउ करावा उरधार।।

अथवा

पानदान वह छोटा-सा डिब्बा
रख दूँगी उसमें प्यारे-प्यारे तारे
आसमान -
बुरा मत मानना
देखा है मैंने हमेशा उनमें तुम्हीं को।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ग) मुझे प्राय: गालियों के सम्बोधन से पुकारा जाता। स्कूल से शाम को घर आते ही पशुओं को चारा-पानी देने का काम मुझे सौंप दिया जाता। रात में सबसे बड़ा संकट यह था की चिराग न होने से मैं कुछ भी पढ़ नहीं पाता था। पहले एक ढिबरी जलाकर पढ़ा करता था, किन्तु दसवीं कक्षा में उसे जलाने के लिए मिट्टी का तेल मिलना बंद हो गया। घर में एक लालटेन जरूर थी, किन्तु घर वाले इसका इस्तेमाल बहुउद्देशीय कार्यों के लिए किया करते थे। अत: रात में न पढ़ पाना मुझे सबसे ज्यादा खलता था।

अथवा

पुरुष ने उसके अधिकार अपने सुख की तुला पर तोले, उसकी विशेषता पर नहीं; अत: समाज की सब व्यवस्थाओं में उसके और पुरुष के अधिकारों में एक विचित्र विषमता मिलती है। जहां तक सामाजिक प्राणी का प्रश्न है, स्त्री पुरुष के समान ही सामाजिक सुविधाओं की अधिकारिणी है, परंतु केवल अधिकार की दुहाई, देकर ही तो वह सबल-निर्बल का चिरंतन संघर्ष और उससे उत्पन्न विषमता नहीं मिटा सकती।

6. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए - (6)

(क) एलिस एक्का की कहानी में प्रकृति और समाज

(ख) मुर्दहिया और दलित चेतना

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 6157

Unique Paper Code : 2052103603

Name of the Paper : Kathetar Gadya Sahitya

Type of the Paper : DSC

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कथेतर गद्य साहित्य का परिचय देते हुए उसके स्वरूप पर विचार कीजिए। 15

अथवा

कथेतर गद्य साहित्य एवं कथा साहित्य के अंत:संबंध को स्पष्ट कीजिए।

2. कथेतर साहित्य की प्रमुख विधाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

अथवा

रेखाचित्र और संस्मरण के अंतर को स्पष्ट करते हुए रेखाचित्र विधा की विशेषताएँ लिखिए।

3. 'आवारा मसीहा' जीवनी के आधार पर शरतचंद्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

महादेवी वर्मा द्वारा रचित 'दद्दा' संस्मरण के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की साहित्यिक विशेषताओं को लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

4. निराला के पत्र साहित्य की विषय-वस्तु और प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'डायरी' विधा के आधार पर रमेशचंद्र शाह की रचना 'अकेला मेला' की समीक्षा कीजिए।

5. निम्न गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) राजसिक गर्व-भरी मुद्रा से माइक को मेज़ पर ठेल कर नीचे गिराते और सबको सकते में डालते हुए उन्होंने बोलना आरंभ किया तो उनके पहले ही शब्दों से सारी सभा में एक सनसनी-सी दौड़ गई। एक सन्नाटा और उसके बाद डेढ़ लाख जनता तक प्रयासरहित सहजता से पहुँचने वाले पहले ही शब्द – 'मेरी आवाज़' – 'मेरी आवाज़' भारत की लाख-लाख जनता तक किसी यंत्र के सहारे के बिना ही पहुँचेगी। माइक को उठा फेंकने की सफाई अंग्रेजी में देकर उन्होंने सभा को एक बार फिर अचरज में डालते हुए हिन्दुस्तानी में बोलना आरंभ किया।

अथवा

माखनलाल जी की कविता से पहला परिचय कारावास में हुआ। और भी अनेक पाठकों का पहला परिचय उसी कविता से हुआ होगा जिससे मेरा, पर उस परिस्थिति में नहीं। दिल्ली षड्यंत्र केस के एक अभियुक्त के रूप में दिल्ली जेल में लंबे दिन काटते हुए मैंने एक कापी में हिंदी की कविताएँ उतार कर रखना आरंभ किया था : कविता पढ़ने में रुचि थी और किताबें एक साथ दो-तीन से अधिक रख नहीं सकता था इसलिए पसंद की कविताएँ कापी में नकल करके पुस्तकें लौटा कर नई पुस्तकें मंगाता रहता था...तभी एक दिन चमत्कृत-सा होकर एक भारतीय आत्मा की छोटी-सी कविता पढ़ी।

(ख) मंदिर का विशाल प्रांगण खचाखच भरा था। उस विशाल जल-समुद्र में उठती हिलोरों ने मुझे छा लिया : पाँवों का जंगल था वह-पाँवों का समुद्र-कोमल फूल सरीखे पाँव...जर्जर

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

बिवाइयों से भरे पाँव, नंगे काले खुरदरे पाँव, गोरे, गहनों से अलंकृत पाँव....। कमजोर और लड़खड़ाते पाँव, फुरतीले थिरकते पाँव.....। पाँवों का मेला था वह, मुझ पर से गुजरता हुआ। और मैं ? मैं कहाँ था ? उस जंगल, उस समुद्र में ?.....।

अथवा

इस नाच की उत्पत्ति दरभंगा जिले में हुई, ऐसा अनुमान किया जाता है। पता नहीं, अपनी जन्मभूमि में इसकी क्या अवस्था है, किंतु उत्तरी बिहार के कुछ जिलों तथा भागलपुर, पूर्णिया आदि के गांवों में आज भी इसकी 'कद्र' है। यह निम्न स्तर के लोगों की ही चीज रह गई है। तथाकथित भद्र समाज के लोग इस नाच को देखने में अपनी हेठी समझते हैं, लेकिन मुसहर, धांगड़, दुसाध के यहाँ - विवाह, मुंडन तथा अन्य अवसरों पर इसकी धूम मची रहती है। जब से मैं अपने को भद्र और शिक्षित समझने लगा, तब से इस नाच से दूर रहने की चेष्टा करने लगा, किंतु थोड़े दिनों के बाद ही मुझे अपनी गलती मालूम हुई और मैं इसके पीछे 'फिदा' रहने लगा।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×7=14

(1) जीवनी विधा : उद्‌भव और विकास

(2) पत्र-साहित्य की विशेषताएँ

(3) 'अकेला मेला' डायरी की **दो** प्रमुख घटनाएँ

(4) 'अज्ञेय' की दृष्टि में 'उपन्यास सम्राट'।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(18)

[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **6267** **I**

Unique Paper Code : 2053100014

Name of the Paper : Shodh Pravidhi

Type of the Course : **DSE**

Semester : VI

Programme : Hindi

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शोध की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

शोध के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. तुलनात्मक शोध पद्धति अथवा समाजशास्त्रीय शोध पद्धति का विश्लेषण कीजिए। 15

3. शोध - प्रक्रिया के विविध चरणों में विषय - चयन एवं तथ्य - विश्लेषण का महत्व प्रतिपादित कीजिए। 15

अथवा

'शोध प्रबंध लेखन शोध - प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है' - तर्क सहित उत्तर दीजिए।

4. शोध करते हुए एक शोधार्थी को किन - किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है ? स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

एक अच्छे शोधार्थी में कौन - कौन से गुण अपेक्षित हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 10×3=30

(i) शोध प्रक्रिया

(ii) पाठालोचन

(iii) सामग्री संकलन

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

6267

(iv) रूपरेखा निर्माण

(v) संदर्भ सूची निर्माण

***

2500

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY